12/7/19

पञ्चमः पाठः

सम्प्रदान कारकः (चतुर्थी विभक्तिः)

क) हिन्दी में अनुवाद :-

अयं ------------------------स्तः।

ये मेरे विद्यालय का छात्रावास है। यहाँ छात्र रहने के लिए जाते हैं। पढ़ने के लिए छात्रावास है। यहाँ योग्य बालक रहते हैं। छात्रावास में शिक्षक छात्रों के लिए पुस्तक लाते हैं। यहाँ का दरबान छात्रों की रक्षा करता है। वह बालकों की भलाई के लिए सोचता है। वह बालकों को एक कमरे की चाभी देता है। ये दो छात्र अपने वर्ग के तेज़ छात्र हैं। अन्य कक्षा में भी छात्र हैं। वहाँ चार और पाँच छात्र रहते हैं। छात्रावास में एक रसोइघर है। वहाँ रसोइया छात्रों और दरबान के लिए भोजन पकाता है। ~~प्रातः छ~~ सुबह होने पर छात्र जलपान के लिए वहाँ जाते हैं। दिन में एक बजने पर भोजन के लिए जाते हैं। रात के आरंभ में सात बजने पर रात के भोजन के लिए जाते हैं। छात्रावास में छात्र सुख से रहते और पढ़ते हैं।

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

ख) शब्दार्थाः –

निवासाय	-	रहने के लिए
अध्ययनाय	-	पढ़ने के लिए
छात्रेभ्यः	-	छात्रों के लिए
यच्छति	-	देता है
अन्ये	-	दूसरे
हितम्	-	भलाई
कक्षाः (पुं.)	-	कमरा
कुशलाः	-	तेज़, मेधावी
चत्वारः (पुं.)	-	चार
सूपकारः	-	रसोइया
पचति	-	पकाता है
जालपानाय	-	जलपान के लिए
दिवसे	-	दिन में
एकावदने	-	एक बजने पर
रात्रिभोजनाय	-	रात के भोजन भोजन के लिए
सुखेन	-	सुख से
भ्रमणाय	-	घूमने के लिए

ग)

	शब्द	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचन
पुंल्लिङ्गे	बालक	बालकाय	बालकाभ्याम्	बालकेभ्यः
	देव	देवाय	देवाभ्याम्	देवेभ्यः
	जन	जनाय	जनाभ्याम्	जनेभ्यः
स्त्रीलिङ्गे	लता	लतायै	लताभ्याम्	लताभ्यः
	छात्रा	छात्रायै	छात्राभ्याम्	छात्राभ्यः
	बालिका	बालिकायै	बालिकाभ्याम्	बालिकाभ्यः
नपुंसकलिङ्गे	पुष्पम्	पुष्पाय	पुष्पाभ्याम्	पुष्पेभ्यः
	गृहम्	गृहाय	गृहाभ्याम्	गृहेभ्यः
	फलम्	फलाय	फलाभ्याम्	फलेभ्यः

घ) एकपदेन उत्तरत।

प्र०=1- छात्रावासे छात्राः किमर्थम् गच्छन्ति ?
उ०= निवसाय।

प्र०=2- कः छात्रान् रक्षति ?
उ०= द्वारपालः।

प्र०=3- छात्रावासे भोजनाय किम् अस्ति ?
उ०= भोजनालयः।

प्र०=4- छात्राः दिवसे कदा भोजनाय गच्छति ?
उ०= एक वादने।

प्र०=5- छात्रावासे छात्राः कथं निवसन्ति ?
उ०= सुखेन।

प्र०=6- छात्राः काभिः सह भ्रमणाय गच्छन्ति ?
उ०= शिक्षकाभि।

ङ) पूर्णवाक्येन उत्तरत –

प्र०=1- छात्रावासे कीदृशाः बालकाः निवसन्ति ?
उ०= छात्रावासे योग्याः बालकाः निवसन्ति।

प्र०=2- कक्षे कति छात्राः निवसन्ति ?
उ०= कक्षे चत्वारः पञ्चः व छात्राः निवसन्ति।

प्र०=3- छात्रावासे सूपकारः किम् करोति ?
उ०= छात्रावासे सूपकारः छात्रेभ्यः द्वारपालाय च भोजनम् पचति।

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

प्र०=५- छात्राः भ्रमणाय कुत्र गच्छन्ति ?
उ०= छात्राः भ्रमणाय अन्यानि नगराणि गच्छति।

च) मञ्जूषातः उचितपदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत।

(क) मम माता पाकाय शाकानि आनयति।
(ख) तव भ्राता पठनाय कुत्र गच्छति ?
(ग) सूपकारः छात्रेभ्यः भोजनं पचति।
(घ) वृक्षेभ्यः वर्षा अनिवार्या भवति।
(ङ) अध्यापनाय शिक्षकः कक्षां प्रविशति।

छात्रेभ्यः
वृक्षेभ्यः
पठनाय
अध्यापनाय
पाकाय

छ) उचितं पदैः रिक्तस्थानानि पूरयत-

(क) अहं भोजनाय गृहं गच्छामि। (भोजनाय/भोजनेन/भोजनम्)
(ख) सेवकः धनाय कार्यं करोति। (धनस्य/धनाय/धने)
(ग) जनाः भ्रमणाय उद्यानं गच्छन्ति। (भ्रमणम्/भ्रमणेन/भ्रमणाय)
(घ) द्वारपालः बालकेभ्यः हितम् आचरति। (बालकस्य/बालकेभ्यः/बालकान्)
(ङ) सः बालिकायै दुग्धं नयति। (बालिकायै/बालिकाः/बालिकाम्)

22-7-20

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera